कालिदास समारोह 91

चित्र एवं मूर्तिकला प्रदर्शनी

कुमारसम्भवम् से अनुप्राणित

राष्ट्रीय कालिदास प्रदर्शनी (चित्र एवं मूर्तिकला) - 1991

मध्यप्रदेश के परमश्रेष्ठ राज्यपाल

कुँवर मेहमूद अली खान

द्वारा

देवप्रबोधिनी एकादशी

18 नवम्बर 1991

सांध्यवेला में समुन्मीलित
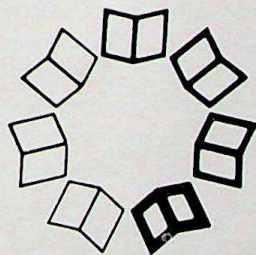
कालिदास अकादेमी कला वीथिका

विश्वविद्यालय मार्ग, उज्जैन

संस्कृति का वर्णबोध

संस्कृति की निराकार सत्ता का विवेचन दार्शनिक चिन्तन का विषय होता है। कलाकार अपनी साधना के बल पर उसी निराकार तत्व को विभिन्न कला-रूपों में उन्मीलित करते हैं। विभिन्न कला-रूपों का सुसंपृक्त और घनीभूत शाब्दिक कलेवर ही साहित्य कहलाता है। साहित्य, कला और दर्शन के बीच बस कुछ इसी प्रकार का त्रिगुणात्मक सम्बन्ध है जिसे हम संस्कृति कहते हैं। दार्शनिक चिन्तन मनोलोक में पल्लवित होता है। विभिन्न कला-रूपों के माध्यम से बही चिन्तन अभिव्यक्ति के अलग-अलग विवर्तों का सहारा लेता है। चिन्तन की निराकार सत्ता और कला-रूपों के विभिन्न विवर्तों को शब्दों का संसार व्यावहारिक अर्थवत्ता प्रदान करता है। इनके अन्तःसम्बन्ध में कोई पौर्वापर्य का क्रम निर्धारित नहीं है। दार्शनिक चिन्तन के लिए शब्द और अर्थ की सत्ता अपरिहार्य है। कला-रूपों की सृष्टि के लिए अर्थ-दृष्टि आवश्यक होती है। साहित्य कभी कला-रूपों को अर्थदृष्टि प्रदान करता है और कभी निराकार चिन्तन और कला के अनन्त विवर्तों को शब्दों में समाहित करने लगता है। परिणाम यह है कि कभी कला की भाषा साहित्य को सँवारती है और कभी साहित्य कला-रूपों की प्रेरणा बन जाता है।

कालिदास समारोह की परिकल्पना में प्रारम्भ से ही सांस्कृतिक अभिव्यक्ति की पूर्णता पर ध्यान केन्द्रित रहा है। वर्तमान शताब्दी के सुपरिचित दार्शनिक योगिराज अरविन्द ने कालिदास की साहित्य साधना को पूर्णता से परिपूर्णता की यात्रा निरूपित किया है। कालिदास समारोह के अन्तर्गत जहाँ एक ओर सारस्वत कार्यक्रम आयोजित होते हैं वहीं नाट्य-नृत्य, नृत्यनाटिका और संगीत के विविध पक्षों के साथ चित्र एवं मूर्तिकला प्रदर्शनी का आयोजन भी समारोह का एक अंग है।

इस राष्ट्रीय कालिदास चित्र एवं मूर्तिकला प्रदर्शनी के माध्यम से 1958 से आज तक हजारों कलाकारों ने महाकवि की वाणी में रूपायित भाव-लोक से वर्ण-परिचय का अपना सम्बन्ध स्थापित किया है। भाव-भूमि पर कालिदास की एक अभिव्यक्ति विभिन्न कलाकारों के अन्तर्मन से समाहित होकर सौ-सौ नये रूप धारण कर लेती है। अभिव्यक्ति की अनन्त यात्रा में कहीं शब्द रुकने लगते हैं तो मूर्तिकार की छेनी और चित्रकार की तूलिका उन्हें अर्थों के नये क्षितिज की ओर साथ चलने का आमन्त्रण देती है। चित्र एवं मूर्तिकला के विशेषज्ञों के साथ कालिदास के शब्दों को मूल और भावानुवाद में दोहराते हुए मैंने कई बार इस अलौकिक जादू का साक्षात्कार किया है। मैंने देखा है कि एक ''उत्कण्ठा'' शब्द की व्याख्या चित्रकार या मूर्तिकार के संसार में न जाने कितने प्रकार से रूपायित होती है। कालिदास की रचना से अनुप्राणित प्रत्येक कलाकृति अपने आप में मूल रचना की एक नई व्याख्या बन जाती है।

इस वर्ष राष्ट्रीय कालिदास प्रदर्शनी के लिए महाकवि कालिदास की अमर कृति ''कुमारसम्भवम्'' का चयन किया गया है। कालिदास साहित्य के विवेचक इस महाकाव्य के प्रथम आठ सर्गों को ही महाकवि की मौलिक रचना मानते आए हैं। कलाकारों ने इन्ही आठ सर्गों के आधार पर अपनी कलाकृतियों का रूपायन किया है। शास्त्रीय कला-रूपों का मूल उत्स विविधवर्णी लोककलाओं में निहित माना गया है। लोककला-शैलियों की अनन्तता के कारण भारत की रीतिवद्ध पारम्परिक शैलियों के संस्कार और उनके विविध आयाम संवरते हैं। आशा है, यह प्रदर्शनी दर्शकों के लिए आत्मानुभूति के कुछ सार्थक क्षण जुटाने में समर्थ होगी।

श्रीनिवास रथ

Connotation and Colours of Culture

The formless entity of culture is mostly a matter of philosophical speculation. Artists endeavour to manifest the elements of the same formless entity into different art forms. Different art forms in their integrated and crystalised state, when transformed into a verbal body, is known as literature. There is a kind of triform co-relation between literature, arts and philosophy that we commonly call as culture. Philosophical speculations thrive in the mental sphere. The same feats of speculation tend to rest upon distinctive planis of expression through the various artforms. The universe of words assigns a feasible significance to the formless entity of speculation and the different patterns of artforms. In their internal co-relation, no subsequential order, whatsoever, is prescribed. Existence of words and their meanings has, of course, to precede any philosophical speculation. A significant insight is essential for the creativity in the artforms. At times literature proceeds to provide the artforms with a significant insight and yet at other occasions literature tries to reduce the abstract speculations and endless plains of artforms into its body of words. As a result, either the language of arts enlivens the literature or the literature infuses inspiration into the artforms to blossom.

Kalidasa Samaroha from the very beginning has concentrated its attention on the totality of cultural communication. Aurobindo, the well-known philosopher of the present century has evaluated the poetic pursuits of Kalidasa as a journey from completeness to perfection. Besides the academic programmes coupled with a network of staging dramas, ballets, dance recitals and musical concerts, an exhibition of Paintings and Sculptures inspired by the works of Kalidasa is also included as an integral part of the Kalidasa festival.

National Kalidasa Exhibition of Paintings and Sculptures over the years, since 1958, has provided thousands of artists with an opportunity to establish a rapport with the genius of Kalidasa through their own medium of colour and carving. On the conceptual level an individual expression of Kalidasa has been found to assume hundreds of different forms through the process of intermingling with the subjective consciousness of the individual artist. In the endless journey of expression, if the words are found to hesitate or tarry, it is the chisel of the sculptor or the brush of the painter that starts impelling the words, to resume their run towards the ever beckoning horizon of a refreshing and relevant significance. While reading out the text of Kalidasa and explaining its purport to the experts of graphic arts engaged in the selection of the exhibits, I have, time and again, experienced this magic effect contained in many a painting and sculpture contributed by the artists for this exhibition. I did realise how a singular word 'Utkantha' assumed endless explanations and forms in the world of sculpture and painting Each individual piece of Art, inspired by the writings of Kalidasa, signifies in itself a fresh interpretation to the original text.

Kumarasambhavam, the well-known epic of Kalidasa has been selected this year as the basis of National Kalidasa Exhibition. First eight cantos of this epic have been traditionally recognized as the original creation of Kalidasa. Artists have based their exhibits on these eight cantos only. Classical art forms are said to have a heavy bearing on the many-fold forms of folk art. Classisism of traditional and stylised Indian art forms tends to assume diverse dimensions from the endlessness of folk forms of art.

I do hope this Exhibition would provide the viewers with some worthwhile moments of intrinsic exhilaration.

Shriniwas Rath.

राष्ट्रीय कालिदास प्रदर्शनी - 1991

(चित्र एवं मूर्तिकला)

पुरस्कार (रुपये ग्यारह हजार प्रत्येक)

चित्रकला

1.	डॉ. रागिनी रॉय, आगरा	शिव-पार्वती भ्रमण
2.	डॉ. नाथूलाल वर्मा, जयपुर	शिव-विवाह
3.	श्री समंदरसिंह खंगारोत 'सागर', जयपुर	समाधिस्थ महादेव
4.	श्री अशोक बलवंत ताम्हणकर, पुणे	शिव बारात का ओषधि प्रस्थागमन।

मूर्तिकला

1.	डॉ. मनोरमा भटनागर, ग्वालियर	नन्दी पर शिव

निर्णायक-मण्डल

श्री हरीश राऊत, बम्बई
श्री विष्णु चिंचालकर, इन्दौर
श्री पी. चन्द्रविनोद, वाराणसी
श्री वासुदेव स्मार्त, सूरत
श्री अवतार सिंह पंवार, लखनऊ
श्री श्रीनिवास रथ, उज्जैन

डॉ. रागिनी रॉय

जन्म : 22 जुलाई, 1956।

शैक्षणिक योग्यता : ड्राइंग तथा पेंटिंग में एम.ए., पीएच.डी.

अर्जित पुरस्कार/सम्मान : अखिल भारतीय मोदी थ्रेड प्रतियोगिता में दो पुरस्कारों से सम्मानित। कानपुर में आयोजित समूह प्रदर्शनी में शिरकत तथा पुस्तक प्रकाशित (1977)।

आगरा (1987) तथा संस्कार भारती (1988) के द्वारा आयोजित समूह प्रदर्शनियों में शिरकत।

संपर्क : बी-65, न्यू आगरा, आगरा-282005

शिव-विवाह

डॉ. नाथूलाल वर्मा

जन्म : जयपुर, 5 जून 1946।

शिक्षा : एम.ए., पीएच.डी. एवं चित्रकला/परम्परागत शैली में श्री कृपालसिंहजी द्वारा प्रशिक्षण।

अनुभव : परम्परागत शैली में विगत 30 वर्षों से कार्यरत। लघु-चित्रण, भित्ति-चित्रण, काष्ठ-चित्रण, पिछवाई चित्रण तथा हाथी दाँत चित्रण में दक्षता।

पुरस्कार : राजस्थान ललितकला अकादेमी (1974, 1984, 1986 एवं 1990), राजस्थान रोज सोसायटी (1974, 1976), अखिल भारतीय हस्तशिल्प कला मण्डल, नई दिल्ली ,(1974, 1976 एवं 1984), कालिदास अकादेमी, उज्जैन (1989 और 1990), फाईन आर्ट्स एवं क्रॉफ्ट् सोसायटी नई दिल्ली द्वारा पुरस्कृत (1990 और 1991)

एकल प्रदर्शनियाँ : दिल्ली, अजमेर, जोधपुर एवं जर्मनी।

समूह प्रदर्शनी : मुम्बई, दिल्ली, मद्रास, कलकत्ता, अजमेर, अहमदाबाद, जयपुर, इन्दौर, कोटा आदि।

चित्र संग्रह : मॉर्डन आर्ट गैलरी, जयपुर; राजस्थान ललित कला अकादेमी, जयपुर तथा भारत एवं विदेशों के निजी संग्रहालयों में।

सम्प्रति : सहायक प्रोफेसर, ललित कला संकाय, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।

संपर्क : 13, अर्जुनपुरी, जयपुर (राज.)
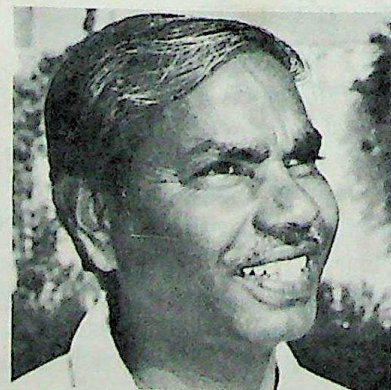
समाधिस्थ महादेव

समदरसिंह खंगारोत 'सागर'

जन्म : खण्डेल, जयपुर— 15 अक्टूबर 1951। प्रसिद्ध कला-गुरु पद्मश्री कृपालसिंह शेखावत के मार्गदर्शन में दीक्षित।

शिक्षा : राजस्थान विश्वविद्यालय के स्नातक। राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट्स, जयपुर से चित्रकला, रंजनकला तथा क्ले-मॉडलिंग में डिप्लोमा।

पुरस्कार : आईफेक्स, नई दिल्ली से 1976 एवं 1989 में स्कॉलरशिप, राजस्थान ललितकला अकादेमी, जयपुर से 1975, 1980, 1983 एवं 1987 के राज्य कला पुरस्कार। 1975 में कलावृत्त पुरस्कार।

एकल प्रदर्शनियाँ : रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, कलादीर्घा, तोक्यो (जापान)।

समूहकला प्रदर्शनियाँ : राष्ट्रीय ललित कला अकादेमी, राजस्थान ललित कला अकादेमी, राष्ट्रीय कला मेला, नई दिल्ली; इंगलैंड में 'फेस' की वार्षिक कला प्रदर्शनी, ऑस्ट्रेलिया में किशनगढ़ आर्ट सेन्टर की कला प्रदर्शनी, फ्रांस में आयोजित भारत महोत्सव।

कला-शिविर : माउण्ट आबू तथा शिमला में आयोजित अखिल भारतीय कला शिविर, मरु उत्सव, जैसलमेर, पुष्कर मेला, प्रिंट मेकिंग कैम्प द्वारा फेस (1985), फेस द्वारा बारहमासा व लैण्डस्केप चित्रकला शिविर (1988, 89)।

कला संग्रह : राष्ट्रीय आधुनिक कला-दीर्घा, नई दिल्ली; राज्य आधुनिक कलादीर्घा, जयपुर; राजस्थान ललित कला अकादेमी, ज़यपुर; पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 'कांसौदो' कलादीर्घा, तोक्यो (जापान); वेनेजुएला, ऑस्ट्रिया आदि कई दूतावासों व राजदूतों के निजी संग्रहालयों में।

सम्पर्क : सी-8, सरस्वती कॉलोनी, टोंक फाटक के पास, जयपुर-302015 (राजस्थान)।

शिव बारात का ओषधिप्रस्थागमन

अशोक बलवन्त ताम्हणकर

जन्म : 19 नवम्बर 1953
शैक्षणिक योग्यता : जी.डी. आर्ट (पैंटिंग)
अनुभव : 10 वर्ष से म्यूरल स्टुडियो का संचालन
अर्जित पुरस्कार/सम्मान : ललितकला अकादेमी, दिल्ली-अवार्ड 1982, भारतीय कला परिषद् हैदराबाद अवार्ड-1985, नासिक कला निकेतन 1986, बाम्बे आर्ट सोसाइटी 1990 और 1991, जैन सोशल फेडरेशन 1991, होटल ताज बॉम्बे, होटल ताज कोरमण्डल मद्रास, होटल ताज दिल्ली, होटल चौला मद्रास - म्यूरल्स में कलाकृति संग्रहीत।
संपर्क : साकेत, को.आ. सोसायटी, प्लॉट नं. 8 कोथरोड पुणे (महा.)

नन्दी पर शिव

डॉ. श्रीमती मनोरमा भटनागर

जन्म : 1941, उज्जैन

शैक्षणिक योग्यता : एम.ए. (राजनीति शास्त्र और इतिहास), बी. लिब, डी.एच.बी.

अनुभव : 30 वर्ष से कला क्षेत्र में।

अर्जित पुरस्कार : अमृतसर अकादेमी की कला प्रदर्शनी में पुरस्कृत, ग्वालियर म्युजियम, तिब्बतन गोमा पुलिस अकादेमी में कलाकृतियों का संग्रह।

अन्य : वर्तमान में कला क्षेत्र में कार्यरत्।

सम्पर्क : तिकोनिया मार्ग, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)

प्रशंसा प्रमाण-पत्र

राष्ट्रीय कालिदास प्रदर्शनी 1991 में कुल 428 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई जिसके अन्तर्गत चित्रकला की 416 और मूर्तिकला की 32 कलाकृतियों को चयन में सम्मिलित किया गया। इन कलाकृतियों में से निर्णायक मण्डल ने 145 चित्र एवं 23 मूर्तियों को प्रदर्शन के लिए चुना है। ग्यारह हजार रुपये प्रत्येक के पाँच पुरस्कारों के अतिरिक्त निर्णायक-मण्डल ने निम्नलिखित पाँच कलाकृतियों के लिए प्रशंसा प्रमाण-पत्र की अनुशंसा की है।

चित्रकला

1.	**श्री विजय हगरगुण्डगी, गुलबर्गा**	उमा-परिणय
2.	**श्री कैलाशचन्द्र शर्मा, जयपुर**	पार्वती-जन्म
3.	**श्री किशोर उमरेकर, भोपाल**	कुमारसंभवम्
4.	**श्री जगदीप स्मार्त, सूरत**	मदन-दहन

मूर्तिकला

1.	**श्री राजेन्द्र कुमार वाडिया, उज्जैन**	कुमारसंभवम्
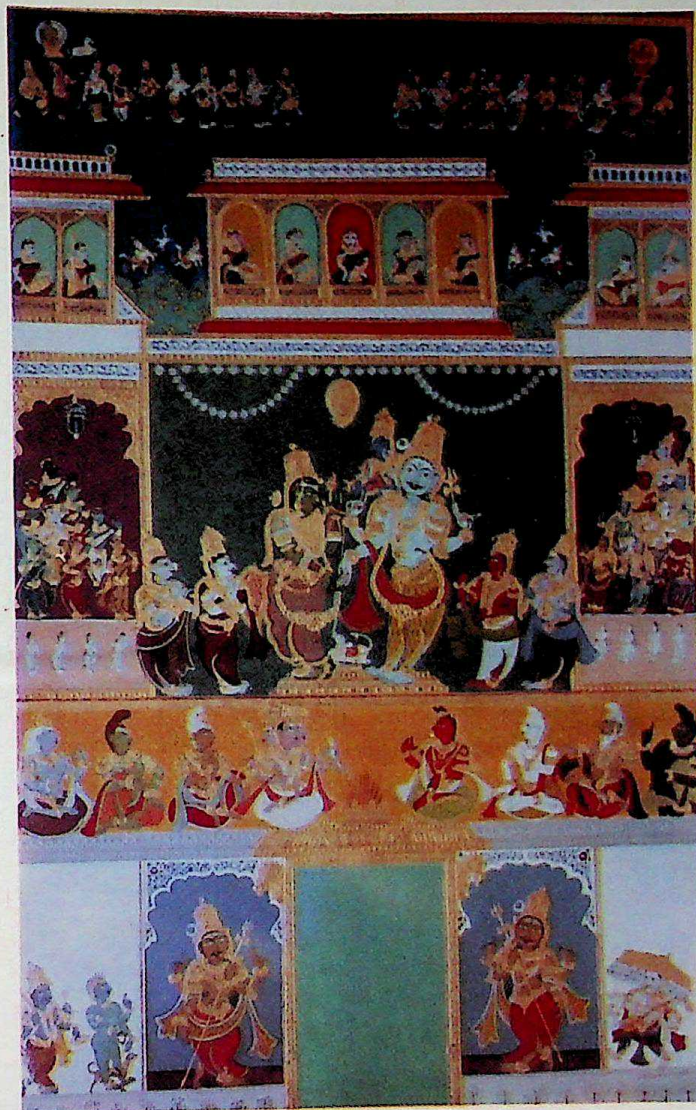
''उमा परिणय''

विजय हगरगुंडगी

जन्म : 1 नवम्बर, 1957।
शैक्षणिक योग्यता : कला में पत्रोपाधि।
पुरस्कार : कर्नाटक ललित कला अकादेमी पुरस्कार (1979, 1980, 1982, 1983,, ए.आई.एफ.ए.सी.एस., नई दिल्ली पुरस्कार (1983)
हैदराबाद, मद्रास, वनस्थली, तंजोर, बेंगलोर तथा मैसूर के कला शिविरों में शिरकत, लन्दन में सन् 1987 में आयोजित 'आर्ट-इन एक्शन' उत्सव में भारत की पारम्परिक चित्रकला पंर सोदाहरण व्याख्यान।
संपर्क : नं. 11, 1814/1, विद्या नगर, गुलबर्गा (कर्नाटक)

पार्वती जन्म

कैलाशचन्द्र शर्मा

जन्म : 11, जुलाई 1944।

शिक्षा : सेकेण्डरी, आर्ट डिप्लोमा (आर्कीटेक्ट), आई.जी.डी.।

अनुभव : परम्परागत मुगल एवं जैन-शैली, आदि सभी भारतीय शैलियों में जलरंग अथवा तैलीय रंगों में चित्र-निर्माण एवं सुधार कार्य का अनुभव तथा अध्यापन कार्य।

पुरस्कार : राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में चयनित एवं राजस्थान ललितकला अकादेमी द्वारा शिक्षावृत्ति। कालिदास चित्र एवं मूर्तिकला प्रदर्शनी 1990 में पुरस्कृत।

अन्य : भित्ति-चित्रण, स्वर्णाक्षरीय पाण्डुलिपि-लेखन एवं मन्दिरों में चित्रण-कार्य। जैन शैली में विशेष दक्षता।

सम्पर्क : 183, जनकपुरी, इमली फाटक, जयपुर (राज.)
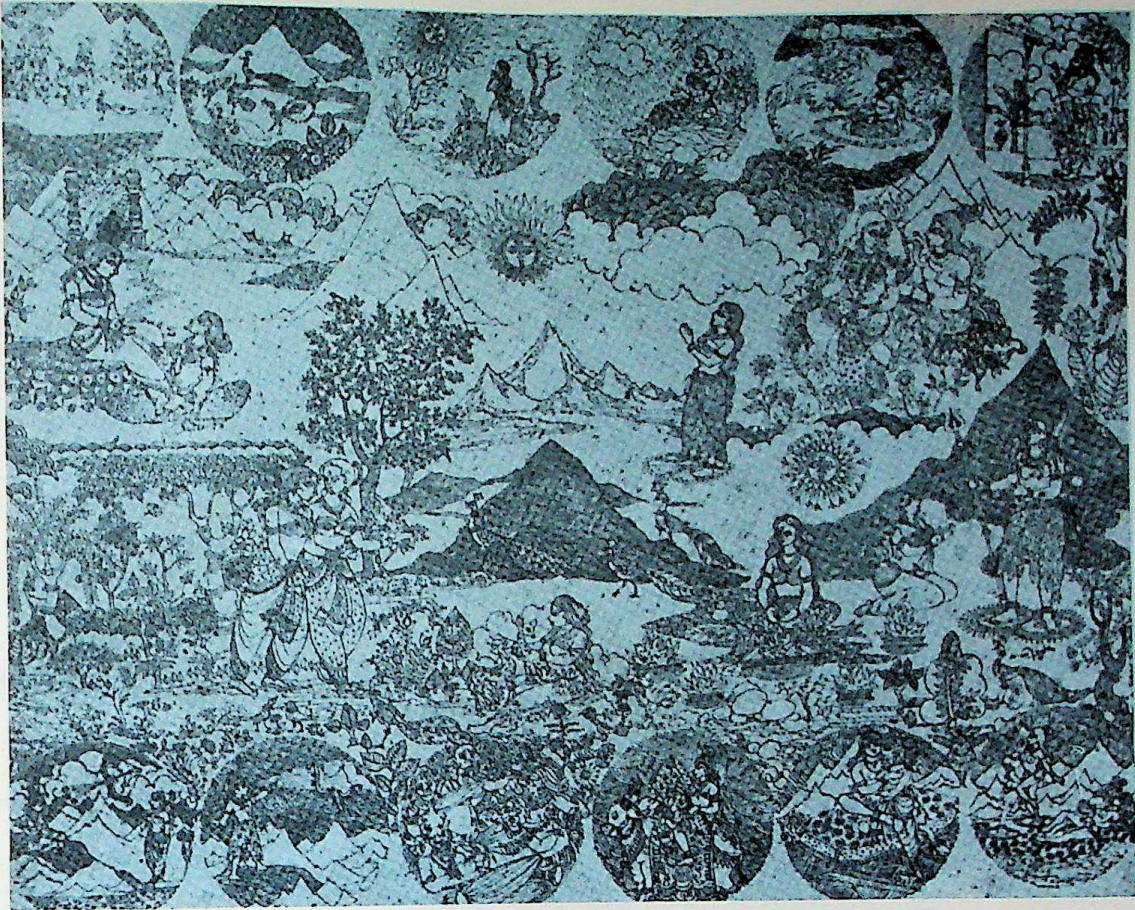
''कुमारसम्भवम्''

किशोर उमरेकर

जन्म : 1951
अनुभव : चित्रकारी, मूर्तिकला एवं हस्तशिल्प

अर्जित पुरस्कार : अनेक राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में पुरस्कृत, अ.भा. कालिदास चित्र एवं मूर्तिकला प्रदर्शनी में पुरस्कृत।
भोपाल, इन्दौर, उज्जैन एवं रतलाम में सन् 1989 में समूह प्रदर्शनी एवं अन्य एकल प्रदर्शनियाँ। 1990 में जहाँगीर आर्ट गैलरी में समूह प्रदर्शनी।
सम्पर्क : 39/30, साउथ टी.टी. नगर, भोपाल (म.प्र.)

''मदन-दहन''

जगदीप स्मार्त्त

जन्म : 9 मार्च, 1956
शैक्षणिक योग्यता : एम.ए. (फाईन आर्ट), बड़ौदा
अनुभवः स्वतन्त्र कलाकार, पाँच एकल प्रदर्शनियाँ- बम्बई, सूरत और अहमदाबाद।
पुरस्कार/सम्मान : 1972 में यूनिसेफ पुरस्कार, अखिल भारतीय कालिदास चित्र एवं मूर्तिकला प्रदर्शनी में तृतीय (1978), तथा प्रथम (1989) पुरस्कार। गुजरात राज्य ललित कला अकादेमी द्वारा 1985 में पुरस्कृत।
कला-शिक्षण में अन्य संस्थानों से सम्बद्ध, चित्र कला कर्मशालाओं का आयोजन, कठपुतली नृत्य प्रदर्शन।
सम्पर्क : 11, रूपायन जयसोमनाथ सोसायटी, इच्छानाथ, सूरत (गुजरात)

''कुमारसम्भवम्''

राजेन्द्र वाडिया

जन्म : 7 जुलाई 1969

शैक्षणिक योग्यता : आई.जी.डी. भारतीय कला भवन, कला संस्थान, उज्जैन में स्नातक कक्षा में अध्ययनरत्।

पुरस्कार : अ.भा. कालिदास चित्र एवं मूर्ति कला प्रदर्शनी, उज्जैन में 1989 में पुरस्कृत, एवं स्थानीय कला प्रदर्शनी में भागीदारी।

संपर्क : 284, लक्ष्मीनगर, उज्जैन (मध्यप्रदेश)

कालिदास समारोह - 1991
राष्ट्रीय कालिदास प्रदर्शनी
प्रदर्शित चित्र एवं मूर्ति कलाकृतियाँ

चित्रकला

1.	श्री महाजन दीपक श्रीधर	अमोदा	महा-विवाह
2.	श्री कन्हैयालाल रामचन्द्र यादव	अहमदाबाद	इन्द्रादेश
3.	सुश्री चित्रलेखा	आगरा	"पार्वती एवं शिव"
4.	कु. कीर्ति भसीन	आगरा	पार्वती-विजय
5.	डॉ. रागिनी राय	आगरा	शिव पार्वती भ्रमण
6.	सुश्री मीरा गुप्ता	इन्दौर	उमा
7.	श्री राजेश रीठे	इन्दौर	कुमारसम्भव
8.	श्री राजेश रीठे	इन्दौर	शिवदर्शन
9.	कु. रजनी सिन्नरकर	इन्दौर	शिव
10.	श्रीमती मीना राजेन्द्र वर्मा	इन्दौर	सुशोभित मार्ग
11.	सुश्री मीरा गुप्ता	इन्दौर	शिव-आराधना
12.	श्री रमेश खेर	इन्दौर	लज्जानुभूति
13.	श्री शंकर शिन्दे	इन्दौर	शिव-बारात
14.	श्री कुन्दन बाविस्कर	इन्दौर	भाव-विभोर
15.	श्री मिर्जा इस्माइल बेग	इन्दौर	ममता
16.	श्री कुन्दन बाविस्कर	इन्दौर	सप्त मातायें एवं शिव बारात स्वागत
17.	कु. रजनी सिन्नरकर	इन्दौर	पार्वती की तपस्या
18.	कु. रश्मि अग्रवाल	इन्दौर	विवाह
19.	श्री शंकर शिन्दे	इन्दौर	विरहिणी रति
20.	श्री मफत पटेल	इन्दौर	उमा-स्नान
21.	श्री योगेश पोरवाल	उज्जैन	विवाह का उत्सव
22.	श्री जयेश त्रिवेदी	उज्जैन	श्रृङ्गार
23.	डॉ. आर.सी. भावसार	उज्जैन	काम-प्रभाव
24.	डॉ. सुरेन्द्र कुमार कुमावत	उज्जैन	शिव बारात
25.	कु. उषा भटनागर	उज्जैन	शिव बारात
26.	डॉ. सुरेन्द्र कुमार कुमावत	उज्जैन	मदन-दहन
27.	कु. भागवन्ती यादव	उज्जैन	शिव-अर्चना
28.	श्री चन्दन यादव	उज्जैन	शिव-बारात
29.	श्री एम. परमार	उज्जैन	प्रथम मिलन
30.	श्री सूर्यकान्त त्रिवेदी	उज्जैन	शिव विवाह
31.	कु. तृप्ति यादव	उज्जैन	विवाह
32.	डॉ. विष्णु भटनागर	उज्जैन	कुमारसम्भव
33.	डॉ. विष्णु भटनागर	उज्जैन	रमण-यात्रा
34.	सुश्री सुनीला गुप्ता	उज्जैन	तपस्या
35.	विनी दादवानी	उज्जैन	षोडशी
36.	श्री राजेश जोशी	उज्जैन	क्रोधाग्नि
37.	सुश्री अल्पना भट्ट	उज्जैन	मदमस्त
38.	श्री राजेन्द्र नागले	उज्जैन	शिव बारात
39.	श्री चन्द्रशेखर काले	उज्जैन	तप भंग प्रयास
40.	श्री योगेश खत्री	उज्जैन	पार्वती की तपस्या
41.	कु. भागवन्ती यादव	उज्जैन	तपस्यारत पार्वती
42.	श्री छोटूलाल	उदयपुर	पार्वती की तपस्या
43.	श्री छोटूलाल	उदयपुर	पार्वती की तपस्या
44.	श्री दीपक भारद्वाज	उदयपुर	मदहोश

45.	श्री नवरत्न शर्मा	उदयपुर	सन्ध्या
46.	श्री नवरत्न शर्मा	उदयपुर	प्रथम सबेरा
47.	जगदीश कुमावत	उदयपुर	पार्वती-सन्देश
48.	श्री मोहन रघुवंशी	उरावदा	शिव बारात
49.	श्री अमित कुमार सरकार	कलकत्ता	पंच तप
50.	श्री शंकर सिंह राठौर	किशनगढ़	उमा
51.	श्री शंकर सिंह राठौर	किशनगढ़	कामाग्नि
52.	श्री प्रियेशदत्त मालवीय	खण्डवा	बारात-आगमन
53.	श्री चौधरीशिरीष चावदास	खिरोदा	मदन-दहन
54.	श्री विकास साहा	खैरागढ़	उत्साह
55.	श्री ध्रुव तिवारी	खैरागढ़	सौन्दर्य
56.	श्री जे.पी. पाटिल	गारखेड़ी	''कुमारसम्भवम्''
57.	श्री के.यू. कृष्णकुमार	गुरुवायूर	वधू पार्वती
58.	श्री विजय हगरगुंडगी	गुलबर्गा	मदन-दहन
59.	श्री विजय हगरगुंडगी	गुलबर्गा	उमा-परिणय
60.	श्री गजेन्द्र शंखवार	ग्वालियर	सखियों के साथ खेल
61.	श्रीमती मनोरमा शंखवार	ग्वालियर	पार्वती-तपस्या
62.	श्री गजेन्द्र शंखवार	ग्वालियर	शिव का नगर-प्रवेश
63.	श्री निकेश शर्मा	ग्वालियर	शिव-बारात
64.	श्री मनोज कुलकर्णी	छिन्दवाड़ा	नवोन्मेष
65.	श्री अजय कुमार गुप्ता	जबलपुर	कुमारसम्भव
66.	श्री सुधीर वर्मा	जयपुर	रमण
67.	श्री रणजीत सिंह	जयपुर	शिव पार्वती
68.	श्री चन्दूलाल चौहान	जयपुर	''उपमा सौन्दर्य''
69.	श्री राजेन्द्र शर्मा	जयपुर	पार्वती तपस्या
70.	श्री कैलाशचन्द्र शर्मा	जयपुर	''उपमा''
71.	सुश्री उर्मिला शर्मा	जयपुर	क्रीड़ा
72.	श्री नाथूलाल वर्मा	जयपुर	''शिव पार्वती''
73.	श्री लालचन्द मारोठिया	जयपुर	''शिव पार्वती''
74.	श्री देवेन्द्र शर्मा	जयपुर	''शिव आदेश''
75.	श्री संजीव शर्मा	जयपुर	''जगतःपितरौ''
76.	श्री लक्ष्मीनारायण कुमावत	जयपुर	''कामदेव आगमन''
77.	श्री रणजीत सिंह	जयपुर	पार्वती
78.	श्री समदरसिंह खंगरोत	जयपुर	समाधिस्थ महादेव
79.	श्री नाथूलाल वर्मा	जयपुर	शिव विवाह
80.	श्री कैलाशचन्द्र शर्मा	जयपुर	पार्वती जन्म
81.	श्री राजेन्द्र शर्मा	जयपुर	क्रोधाग्नि
82.	श्री रमेश आनन्द	देवास	औषधिप्रस्थ
83.	श्री रमेश क्षेत्री	देहरादून	ब्रह्मा से प्रार्थना
84.	सुश्री भावना भोसले	धार	शिव विवाह
85.	श्री मुकेश व्यास	धार	शिव बारात
86.	श्री सुहास डी. गुणे	धार	तपश्चर्या
87.	श्री सुहास डी. गुणे	धार	पुष्पवती पार्वती
88.	श्री रवीन्द्र कुमार वर्मा	धार	उतावली शिवदर्शन की
89.	श्री मुकेश व्यास	धार	बसन्त बहार
90.	श्री अनिल पंवार	धार	सप्तपदी
91.	श्री राजीव दुबे	धार	मातृत्व
92.	सुश्री प्रतिभा निम्बार्क	धार	उत्सुकता
93.	श्री अनिल पंवार	धार	बन-प्रवेश

94.	श्री मोहन रघुवंशी	धार	शिव बारात
95.	श्री रमेश क्षेत्री	धार	गृहस्थ की ओर
96	श्री ज्योति दुबे	धार	नाग गण
97.	श्री कृष्णराव वि. साऊरकर	नागपुर	''महादेव का स्वरूप-धारण''
98.	श्री कृष्णराव वि. साऊरकर	नागपुर	गौरी का प्रलोभन
99.	श्री रेवाशंकर शर्मा	नाथद्वारा	नीवीबन्ध
100.	श्री जयश्री मन्त्री	पुणे	उमा और माँ मेना
101.	श्री नीलम सरदेसाई	पुणे	कुमारसम्भव
102.	सविता प्रकाश नन्दनवार	पुणे	रति मदन बसन्त
103.	श्री अशोक बलवन्त ताम्हणकर	पुणे	शिव बारात
104.	श्री पी.टी. पाटणकर	पुसद (यवतमाल)	पार्वती तपश्चर्या
105.	कु. प्रशंसा शर्मा	बडवाह	तपोवन में कामदेव
106.	श्री प्रवीण कुमार अत्रे	बडवाह	विश्वात्मा
107.	श्री सुहास बाहुलकर	बम्बई	दिव्य क्षणं
108.	कु. सुनन्दा परब	बम्बई	सखियों के साथ पार्वती
109.	श्री प्रकाश भिसे	बम्बई	''वसन्त''
110.	श्री प्रयाग झा	बम्बई	महादेव नगर प्रवेश
111.	श्री विष्णु एन. सोनवने	बम्बई	रति विलाप
112.	श्री प्रदीप पी. चौहाण	भावनगर	शिव प्रयाण
113.	श्री गोहिल रमेश	भावनगर	शिव परिणय प्रयाण
114.	सुश्री अंजलि भिमाणी	भावनगर	सत्कार
115.	श्री प्रदीप पी. चौहाण	भावनगर	''बाणावसर''
116.	कु. रेखा परमार	भावनगर	शिवाशिव
117.	श्री किरण परमार	भावनगर	कुमारसम्भव
118.	श्री रमेश एम. गोहिल	भावनगर	शिवाशिव
119.	श्री रमेशचन्द्र राठोड़	भावनगर	शिव की बारात
120.	श्री जगदीश एन. जोशी	भावनगर	पार्वती की तपस्या
121.	सुश्री रेखा परमार	भावनगर	पार्वती की तपस्या
122.	श्री किरण परमार	भावनगर	चित्रांकित कानन
123.	कु. भावना चौधरी	भोपाल	''हिमालय के सिद्ध''
124.	कु. भावना चौधरी	भोपाल	हिमगिरि कुंजर
125.	सुश्री अर्चना धनंजय	भोपाल	बाल्य-क्रीड़ा
126.	सुश्री मंजू मंगल	भोपाल	शिव बारात
127.	श्री धनंजय	भोपाल	क्रुद्ध शिव
128.	श्री किशोर उमरेकर	भोपाल	कुमारसम्भव
129.	सविता भावसार	भोपाल	शिव की बारात
130.	श्री नवल जायसवाल	भोपाल	छत्र
131.	रेखा गगड़	भोपाल	वैवाहिक संस्कार
132.	सुषमा श्रीवास्तव	भोपाल	हिमालय एवं नायिकायें
133.	श्री पी.एल. नरसिंह मूर्ति	मद्रास	आशीर्वाद
134.	श्री पी.एल. नरसिंह मूर्ति	मद्रास	''अतिथि सत्कार''
135.	श्रीमती पी. विजयलक्ष्मी	मद्रास	अरुन्धती वात्सल्य
136.	श्री बलवन्त ए. जोशी	राजकोट	प्रसन्न शिव
137.	श्री बलवन्त ए. जोशी	राजकोट	शिव विवाह
138.	श्री कान्तिचन्द्र भारद्वाज	सवई माधवपुर	पार्वती का स्नान
139.	श्री कमलकुमार वर्मा	सांभर लेक	तपोवन में शिव दर्शन
140.	श्री कन्हैयालाल वर्मा	सांभर लेक	महादेव दर्शन
141.	सुश्री अनीता ओम	सिंगरोली	मंगल मिलन
142.	श्री जगदीप स्मार्त	सूरत	मदन दहन

143.	श्री के. सुरेन्दर	हनमकोण्ड	पार्वती-कल्याण
144.	श्री के. विश्वनाथम्	हनमकोण्ड	तपोभंगम्
145.	श्री के. अंजय्या	हैदराबाद	मन्मथ-दहन

मूर्तिकला

1.	श्री राजेन्द्र वर्मा ताम्रकार	इन्दौर	नवयौवना
2.	कु. गीता राजपूत	इन्दौर	प्रेम-दर्शन
3.	श्री छोटेसिंह नरवरिया	इन्दौर	नन्दी-गर्जना
4.	श्री राजेन्द्र वर्मा ताम्रकार	इन्दौर	शिव-ध्यानम्
5.	श्रीमती ज्योति गर्ग	इन्दौर	प्रीत
6.	श्री राजीव वायंगणकर	इन्दौर	पार्वती
7.	श्री राजेन्द्र कुमार वाडिया	उज्जैन	कुमारसम्भवम्
8.	श्री राधाकिशन वाडिया	उज्जैन	क्रोधाग्नि
9.	श्री सुरजीत कुमार साहा	उज्जैन	नव कुमारी
10.	श्री गजानन्द शर्मा	उज्जैन	पार्वती
11.	श्री शिबा प्रसाद चौधरी	खैरागढ़	"आलम्बन"
12.	श्री शिबा प्रसाद चौधरी	खैरागढ़	चारुतरा
13.	श्री गोवर्धन सिंह पंवार	गोवा	उमा (पार्वती)
14.	कु. अर्चना भटनागर	ग्वालियर	नन्दी पर शिव
15.	डॉ. श्रीमती मनोरमा भटनागर	ग्वालियर	नन्दी पर शिव
16.	श्री मुकेश वर्मा	ग्वालियर	पतिगृह-गमन
17.	श्री मुकेश वर्मा	ग्वालियर	नन्दी
18.	श्री भरत गुर्जर	देवास	चलती फिरती लता
19.	श्री डी.एस. मयूर	देवास	समाधिस्थ शिव
20.	डॉ. राघवेन्द्र कुमार तिवारी	धार	"शिव-पार्वती"
21.	डॉ. राघवेन्द्र कुमार तिवारी	धार	रति-विलाप
22.	श्री वेदप्रकाश यादव	महू	उमा-महेश्वर
23.	श्री रतनसिंह यादव	महू	"वेदवाणी का उद्भव"